CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

CBSE 2026-27

हिंदी पाठ्यक्रम 'अ' (Hindi Course A)

Subject Code: 002 | कक्षा दसवीं (Class X)

अंक योजना – प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – सेट 4

समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

1. यह अंक योजना केवल मूल्य-बिंदु एवं अंक-विभाजन देती है; प्रश्न संबंधित नमूना प्रश्न पत्र (SQP) में दिए गए हैं।
2. उत्तर-पुस्तिका के मूल्यांकन में उपयुक्त एवं सही वैकल्पिक उत्तरों को भी उचित अंक दिए जाएँ।
3. भाषा की शुद्धता, शब्द-सीमा तथा प्रस्तुति का ध्यान रखा जाए।

परीक्षा प्रारूप

खंड	प्रश्न का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	प्रति प्रश्न अंक	कुल अंक
क	अपठित बोध — अपठित गद्यांश एवं अपठित काव्यांश (प्रत्येक में 3 बहुविकल्पीय ×1 + 2 लघु उत्तरीय ×2)	2	7	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण — वाक्य भेद, वाच्य, पद परिचय, अलंकार (प्रत्येक में 5 में से 4 अति लघु उत्तरीय ×1)	4	4	16
ग	क्षितिज-2 पठित गद्यांश (5 बहुविकल्पीय प्रश्न ×1)	1	5	5
ग	क्षितिज-2 गद्य खंड — लघु उत्तरीय (4 में से 3 ×2; 25-30 शब्द)	1	6	6
ग	क्षितिज-2 पठित काव्यांश (5 बहुविकल्पीय प्रश्न ×1)	1	5	5
ग	क्षितिज-2 काव्य खंड — लघु उत्तरीय (4 में से 3 ×2; 25-30 शब्द)	1	6	6
ग	कृतिका-2 — दीर्घ उत्तरीय (3 में से 2 ×4; 50-60 शब्द)	1	8	8
घ	अनुच्छेद लेखन (3 में से 1; लगभग 120 शब्द)	1	6	6
घ	पत्र लेखन — औपचारिक/अनौपचारिक (2 में से 1; लगभग 100 शब्द)	1	5	5
घ	स्ववृत्त अथवा ई-मेल लेखन (लगभग 80 शब्द)	1	5	5
घ	विज्ञापन अथवा संदेश लेखन (लगभग 40 शब्द)	1	4	4
	योग	**15**		**80**

इकाई-वार अंक भार

इकाई	इकाई का नाम	अध्याय / विषय	अंक
क	अपठित बोध	अपठित गद्यांश (7), अपठित काव्यांश (7)	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण	रचना के आधार पर वाक्य भेद (4), वाच्य (4), पद परिचय (4), अलंकार (4)	16
ग	पाठ्यपुस्तक — क्षितिज भाग-2 (गद्य खंड)	नेताजी का चश्मा, बालगोबिन भगत, लखनवी अंदाज़, एक कहानी यह भी, नौबतखाने में इबादत, संस्कृति	11
ग	पाठ्यपुस्तक — क्षितिज भाग-2 (काव्य खंड)	सूरदास के पद, राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद, आत्मकथ्य, उत्साह व अट नहीं रही है, यह दंतुरित मुसकान व फसल, संगतकार	11
ग	पूरक पाठ्यपुस्तक — कृतिका भाग-2	माता का अँचल, साना-साना हाथ जोड़ि, मैं क्यों लिखता हूँ?	8
घ	रचनात्मक लेखन	अनुच्छेद (6), पत्र (5), स्ववृत्त/ई-मेल (5), विज्ञापन/संदेश (4)	20
	योग		**80**

खंड – क

अपठित बोध (14 अंक)

Q1. **[7]**

(i) (b) मोटे अनाज के महत्त्व पर **[1]**
(ii) (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। **[1]**
(iii) (b) मोटे अनाज के प्रति जागरूकता फैलाना **[1]**
(iv) (1) जैव-रासायनिक अनुसंधानों और चिकित्सा अध्ययनों से मोटे अनाजों के पोषकीय व औषधीय गुणों की जानकारी लोगों तक पहुँची है। (2) ये स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं और पर्यावरण के लिए भी अच्छे हैं। (अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष मनाने से इनके सेवन को बढ़ावा मिला, यह भी उत्तर हो सकता है।) केवल दो बिंदु अपेक्षित। **[2]**
(v) (1) मोटे अनाज आहार संबंधी रेशों, गुणवत्तापूर्ण वसा और कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम, आयरन, ज़िंक तथा बी-कॉम्प्लेक्स विटामिनों के समृद्ध स्रोत हैं। (2) इनमें गेहूँ और धान की अपेक्षा प्रोटीन और संतुलित अमीनो अम्ल अधिक होते हैं। केवल दो बिंदु अपेक्षित। **[2]**

Q2. **[7]**

(i) (c) व्यंग्य **[1]**
(ii) (a) शहर के पढ़े-लिखे नौजवानों का **[1]**
(iii) (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। **[1]**
(iv) (1) वहाँ शहर की तरह उसके अनुकूल वातावरण नहीं है। (2) वहाँ उसके प्रशंसक नहीं हैं। **[2]**
(v) किसान को फूलने के बाद फसल देने वाले फूल (जैसे अलसी, सरसों, तिली के फूल) भाते हैं, क्योंकि फसल ही उसकी जीविका का साधन है। **[2]**

खंड – ख

व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

Q3. **[4]**

(i) बाबू जी रामायण का पाठ करते और हम उनकी बगल में बैठे रहते। **[1]**
(ii) जाड़ा आता और बालगोबिन भगत एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते। **[1]**
(iii) कुतूहलवश मैं उनके घर गया और देखकर दंग रह गया। **[1]**
(iv) वह हमारी ओर देखते और हम कुछ लजाकर आईना नीचे रख देते थे। **[1]**
(v) आश्रित उपवाक्य – 'कि शोर मत मचाओ'; भेद – संज्ञा आश्रित उपवाक्य **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q4. **[4]**

(i) चोट लगने के कारण उससे चला नहीं गया। **[1]**
(ii) उसके द्वारा गिने-चुने फ्रेम नेताजी की मूर्ति पर फिट कर दिए जाते हैं। **[1]**
(iii) कर्तृवाच्य **[1]**
(iv) उन्होंने आटे की गोलियों को कागज़ में लपेटा। **[1]**
(v) मैं अब बैठ नहीं पाता। **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q5. **[4]**

(i) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक **[1]**
(ii) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, बहुवचन, कर्ता कारक **[1]**
(iii) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'फूल' विशेष्य **[1]**
(iv) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक **[1]**
(v) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, एकवचन, कर्ता कारक **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q6. **[4]**

(i) अतिशयोक्ति **[1]**
(ii) मानवीकरण **[1]**
(iii) रूपक **[1]**
(iv) उपमा **[1]**
(v) उत्प्रेक्षा **[1]**

(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

खंड – ग

पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक (30 अंक)

Q7. **[5]**

(i) (a) इंदौर में **[1]**
(ii) (a) विद्यार्थियों को घर पर रखकर पढ़ाते थे **[1]**
(iii) (a) वे कोमल-संवेदनशील भी थे और क्रोधी-अहंवादी भी **[1]**
(iv) (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। **[1]**
(v) (a) दरियादिली के **[1]**

Q8. **[6]**

(i) पाठ में लखनऊ के नवाब की नफ़ासत, नज़ाकत और खोखले दिखावे का व्यंग्यात्मक चित्रण है। नवाब का खीरा सूँघकर फेंकना और ऊँची डकार लेना उनकी झूठी शान और सनक दर्शाता है, इसलिए शीर्षक कथानक के सर्वथा अनुरूप है। **[2]**
(ii) बिस्मिल्ला खाँ महान कलाकार थे। उन्होंने अपनी कला को धनोपार्जन का माध्यम कभी नहीं बनाया। कला के प्रति उनके समर्पण को देखकर ही उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा गया। इसीलिए वे कला के अनन्य उपासक कहलाते हैं। **[2]**
(iii) जिसकी बुद्धि या विवेक किसी नए तथ्य का दर्शन करे, अर्थात् जो अपनी बुद्धि और विवेक के बल पर नई खोज करे, वही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है। उसकी संतान को वह वस्तु अनायास पूर्वज से मिल जाती है, इसलिए वह सभ्य भले बने, संस्कृत नहीं कहला सकती। **[2]**
(iv) बालगोबिन वृद्ध हो गए थे, पर उनके नित्य-नियम में कोई परिवर्तन नहीं आया। कमज़ोर शरीर के बावजूद वे गंगा-स्नान जाते, उपवास रखते और किसी का सहारा नहीं लेते थे। जवानी का यह दृढ़ नियम जीवन के अंतिम समय तक चलता रहा। **[2]**
(किन्हीं तीन के उत्तर पर 2×3=6 अंक)

Q9. **[5]**

(i) (c) अछूता और धागा (बंधन) **[1]**
(ii) (b) व्यंग्य – उद्धव प्रेम के अनुभव से वंचित हैं **[1]**
(iii) (d) रूपक **[1]**
(iv) (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। **[1]**
(v) (a) भोली-भाली अबला, जो कृष्ण-प्रेम में लिपटी हैं **[1]**

Q10. **[6]**

(i) 'उत्साह' कविता एक आह्वान-गीत है। बादल वर्षा करके पीड़ित-प्यासे जन की आकांक्षा पूरी कर उनके जीवन में आशा, उत्साह तथा नई चेतना का संचार करते हैं; इसी प्रकार कवि बादल की गर्जना और क्रांति के माध्यम से समाज में उत्साह और नव-जीवन का संचार करना चाहता है। प्रकृति में नव-जीवन और क्रांति-चेतना का शंखनाद ही शीर्षक की सार्थकता है। **[2]**
(ii) जब मुख्य गायक अंतरे की जटिल तानों में खो जाता है या सरगम लाँघकर अनहद में भटक जाता है, तब संगतकार अपना स्वर देकर उसके भटके स्वर को सँभालता है। इससे मुख्य गायक की प्रस्तुति सफल हो जाती है। **[2]**
(iii) बच्चे की दंतुरित मुसकान ही मुख्य संचार का माध्यम है; यह मुसकान कवि को अपार सुंदरता का अनुभव कराती है। यह शब्दों से परे हृदय से हृदय का जुड़ाव है, जो मासूम मुसकान और स्नेहिल दृष्टि से पूर्ण हो जाता है। **[2]**
(iv) कवि का मानना है कि उसकी व्यथा अभी थककर सोई हुई है। उसे जगाकर अपनी निजी पीड़ा को बताने का यह उचित समय नहीं। साथ ही उसका जीवन साधारण है और उसमें बड़ी कथाएँ नहीं हैं। **[2]**
(किन्हीं तीन के उत्तर पर 2×3=6 अंक)

Q11. **[8]**

(i) पिता सुबह भोलानाथ को साथ नहलाते-पूजा कराते, राम-नाम लिखवाते, कंधे पर बिठाकर गंगा-तट ले जाते, मछलियों को आटे की गोलियाँ खिलवाते और कुश्ती में जान-बूझकर हारते थे। ऐसा मित्रवत व्यवहार बच्चे में आत्मविश्वास, सुरक्षा और संस्कार पैदा करता है तथा माता-पिता से भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाता है। (उदाहरण – 2, आवश्यकता – 2) **[4]**
(ii) ऊँचाई बढ़ने के साथ हिमालय अपना विराट रूप दिखाता है – सँकरे घुमावदार रास्ते, गहरी घाटियाँ, उनमें ताश के घरों जैसे मकान, सफ़ेद बर्फ से ढकी चोटियाँ, झर-झर बहते झरने, फूलों की घाटियाँ और साथ बहती तिस्ता नदी। यह दृश्य मन को शांत और आत्मा को पवित्र करता है। (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख) **[4]**
(iii) हिरोशिमा पहुँचकर लेखक ने अणु-बम से हुई तबाही को प्रत्यक्ष देखा – उजड़ी इमारतें, रेडियोधर्मी किरणों से जूझते लोग और उनका अस्पताल। पत्थर पर मनुष्य की छाया देखकर उन्हें विस्फोट की भयावहता का बोध हुआ। यह उनका प्रत्यक्ष अनुभव था, जो बाद में अनुभूति बना। (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख) **[4]**
(किन्हीं दो के उत्तर पर 4×2=8 अंक)

खंड – घ

रचनात्मक लेखन (20 अंक)

Q12. **[6]**

मुख्य बिंदु : बाढ़, भूकंप, सूखा, भूस्खलन आदि; वनों की कटाई, प्रदूषण, अनियोजित निर्माण से वृद्धि; वृक्षारोपण, आपदा प्रबंधन, जन-जागरूकता। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

OR

मुख्य बिंदु : इंटरनेट पर डेटा, खातों की सुरक्षा; ठगी, हैकिंग, फ़िशिंग का बढ़ना; मज़बूत पासवर्ड, ओ.टी.पी. गोपनीय, अनजान लिंक पर क्लिक न करना। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

OR

मुख्य बिंदु : स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव (2021-22); हर घर तिरंगा, प्रभात फेरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम; शहीदों का स्मरण, देशभक्ति व नए संकल्प। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

Q13. **[5]**

प्रारूप : प्रेषक का पता व दिनांक; सेवा में, संपादक; विषय; महोदय; भवदीय व नाम। मुख्य बिंदु : प्रतियोगिता की जीत व उसका महत्त्व; दैनिक अभ्यास का समय व स्वरूप (सुबह का योग, आहार, प्रशिक्षण); पढ़ाई व खेल में संतुलन; लक्ष्य-निर्धारण व अनुशासन का संदेश; युवाओं को प्रेरित करने हेतु प्रकाशन का अनुरोध। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

OR

प्रारूप : प्रेषक का पता व दिनांक; सेवा में, माननीय शहरी/ग्रामीण विकास मंत्री; विषय; महोदय; भवदीय व नाम। मुख्य बिंदु : सड़कों में गड्ढे व टूट-फूट; आए दिन होने वाली दुर्घटनाएँ व घायल लोग; बरसात में जल-भराव व आवाजाही में बाधा; सड़कों की मरम्मत, जल-निकासी व सूचना-पट्ट लगाने का अनुरोध। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

Q14. **[5]**

प्रारूप : शीर्षक 'स्ववृत्त'; नाम, पता, दूरभाष, ई-मेल, जन्मतिथि; शैक्षणिक योग्यता; अनुभव; कौशल व रुचि; आवेदित पद; संलग्नक; दिनांक व हस्ताक्षर। मुख्य बिंदु : स्नातकोत्तर (हिंदी) व बी.एड.; हिंदी शिक्षण का अनुभव; विद्यार्थियों में भाषा-विकास हेतु रुचि; राजकीय विद्यालय अ.ब.स. नगर में हिंदी शिक्षक पद हेतु विद्यालय प्रबंधक को आवेदन। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

OR

प्रारूप : प्रेषक-ई-मेल, प्राप्तकर्ता-ई-मेल, विषय-पंक्ति, संबोधन, विषय-विवरण, समापन व नाम। मुख्य बिंदु : क्रेडिट कार्ड खोने की सूचना; खाते से सभी लेन-देन तुरंत बंद करने का आग्रह; कार्ड ब्लॉक करने व नया कार्ड जारी करने की प्रक्रिया; सुरक्षा हेतु कार्रवाई की पुष्टि का अनुरोध। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

Q15. **[4]**

प्रारूप : आकर्षक शीर्षक, मुख्य संदेश, विशेषताएँ/लाभ, संपर्क-विवरण या आह्वान-वाक्य, प्रायोजक। मुख्य बिंदु : कंपनी का नाम व उत्पाद (दूध, दही, पनीर, घी); शुद्धता व ताज़गी; घर तक डिलीवरी; स्वादिष्ट व पौष्टिक होने का दावा; संपर्क व आकर्षक स्लोगन। अंक-विभाजन : रचनात्मक प्रस्तुति 1, विषयवस्तु 2, भाषा 1।

OR

प्रारूप : संबोधन, मुख्य संदेश, शुभकामना/बधाई, भेजने वाले का नाम व संबंध। मुख्य बिंदु : विवाह की प्रथम वर्षगाँठ की बधाई; प्रेम व विश्वास भरे दांपत्य हेतु शुभकामना; परिवार की ओर से स्नेह। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 2, भाषा 1।

*** * * END OF PAPER * * ***